NEWSLETTER

शनिवार, 10 अगस्त 2024 | वॉल्यूम - 110

बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति से भारतीय कपडा उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव: निर्यात में कमी, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और प्रतिस्पर्धा में बदलाव

GOLD :69850
SILVER : 80510
CRUDE OIL : 6441

बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति से भारतीय कपडा उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव: निर्यात में कमी, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और प्रतिस्पर्धा में बदलाव

कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल के अनुसार, पड़ोसी देश में हाल ही में हुई अशांति के कारण भारत के कपड़ा उद्योग को संभावित लाभ मिलने के कारण कर्नाटक बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग में आई अशांति का लाभ उठाने के लिए तैयार है। बुधवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए पाटिल ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश में अस्थिरता से भारत के कपड़ा उद्योग को लाभ हो सकता है और राज्य इस स्थिति का लाभ उठाने की तैयारी कर रहा है।

प्रतिस्पर्धा में बदलाव :

बांग्लादेश की स्थिति के कारण यदि वहां के वस्त्र उद्योग को नुकसान होता है, तो भारतीय कपास उद्योग को इसका लाभ मिल सकता है। इससे भारतीय उद्योग को नए बाजारों में प्रवेश करने और अपनी प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने का अवसर मिल सकता है।

बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति का भारतीय कपडा उद्योग पर कई प्रकार से प्रभाव पड़ सकता है। बांग्लादेश भारतीय कपास और वस्त्रों का एक प्रमुख आयातक है, इसलिए किसी भी प्रकार की राजनीतिक, आर्थिक, या सामाजिक अस्थिरता का भारतीय उद्योग पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ कुछ प्रमुख प्रभाव दिए गए हैं:

आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान :

बांग्लादेश में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या दंगे आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकते हैं। इससे भारतीय कपास और कपड़े के निर्यात में रुकावट आ सकती है, जो उद्योग के लिए हानिकारक हो सकता है।

निर्यात में कमी :

यदि बांग्लादेश में आर्थिक मंदी या राजनीतिक अस्थिरता होती है, तो भारतीय कपास और वस्त्रों की मांग में गिरावट आ सकती है। इससे निर्यात में कमी आ सकती है, जो भारतीय कपास उद्योग के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

कीमतों पर प्रभाव :

बांग्लादेश की स्थिति के कारण वैश्विक बाजार में कपास और वस्त्रों की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है। इससे भारतीय कपास उद्योग को अपनी कीमतों को समायोजित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वित्तीय प्रभाव :

बांग्लादेश के साथ व्यापारिक संबंधों में रुकावट के कारण भारतीय कपास उद्योग को वित्तीय नुकसान हो सकता है। विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों के लिए यह स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

सामरिक साझेदारी :

बांग्लादेश की स्थिति के कारण भारतीय कपास उद्योग को नए व्यापारिक साझेदारों और बाजारों की तलाश करनी पड़ सकती है। इससे उद्योग को अपनी व्यापारिक रणनीतियों को बदलने की आवश्यकता हो सकती है।

बांग्लादेश में संकट गहराने के साथ ही, देश के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कपड़ा क्षेत्र को नुकसान होने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों से भारत जैसे वैकल्पिक बाजारों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर, बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति का भारतीय कपडा उद्योग पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव हो सकते हैं। उद्योग को इन प्रभावों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा और अपने व्यापारिक रणनीतियों में आवश्यक बदलाव करने होंगे ।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 10.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	02.08.24	09.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	68.25	68.34	0.09
MAR'25	69.87	69.68	-0.19
MAY	71.14	70.91	-0.23
MCX (COTTON)			
SEP	56530	56300	-230
NOV			
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1585	1570	-15.00
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2845	2889	44
SEPT	3012	3116	104
DEC	2832	2877	45
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.75	83.96	0.21
PAK (Pakistani Rupee)	278.769	278.648	-0.121
CNY (Chinese yuan)	7.16012	7.16600	0.00588
BRAZIL (Real)	5.72922	5.50620	-0.22302
AUSTRALIAN Dollar	1.53590	1.52135	-0.01455
MALAYSIAN RINGGITS	4.50245	4.42076	-0.08169
COTLOOK "A" INDEX	79.35	79.20	-0.15
BRAZIL COTTON INDEX	71.27	73.16	1.89
USDA SPOT RATE	59.82	60.52	0.70
MCX SPOT RATE	57020	56560	-460
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17400	17400	0
GOLD ($)	2486.10	2470.60	-15.5
SILVER ($)	28.685	27.535	-1.15
CRUDE ($)	74.14	76.98	2.84

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 0.09 सेंट तक बढ़े, वही मार्च 0.19 एवं मई 0.23 सेंट तक गिरे ।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 230 रुपऐ की गिरावट देखी गई।

NCDEX पर कपास के भाव 15 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वहीं खल के भाव में अगस्त माह 44 रुपए, सितम्बर माह 104 रुपए, दिसंबर माह 45 रुपए प्रति क्विंटल तक बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, USDA स्पॉट रेट 0.70 सेंट बढ़ा, MCX स्पॉट में 460 रुपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट रही।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	05.08.24	06.08.24	07.08.24	08.08.24	09.08.24	10.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	100	100	100	-	100	100
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	100	100	100	-	100	100
GUJRAT	2,500	2,500	2,200	2,500	2,700	2,500
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000
CENTRAL ZONE	5,500	5,500	5,200	5,500	5,700	5,500
KARNATAKA	1,500	1,200	1,400	1,200	1,000	1,200
ANDHRA PRADESH	1,200	1,000	1,000	1,000	1,000	800
TELANGANA	200	200	200	200	200	200
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	2,400	2,600	2,400	2,200	2,200
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	8,500	8,000	7,900	7,900	8,000	7,800

ARRIVAL IN 170 Kg.

red eco® FIBERS PVT.LTD.
+91 9879577099
sales@redecofibers.com

Murlidhar World Trade Pvt Ltd
Group of Companies
red eco FIBERS PVT.LTD.
Angel Fibers Limited
HARIPRIYA SPINNING MILL PVT. LTD.
Rajkot, Gujarat (Bharat)

बीटी कॉटन से प्रति एकड़ 3-4 क्विंटल उपज बढ़ी: लोकसभा में सरकार की रिपोर्ट।

लोकसभा में प्रस्तुत सरकारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बीटी कॉटन से प्रति एकड़ उपज 3-4 क्विंटल बढ़ जाती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने फसल की किस्में विकसित करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के लिए निजी कंपनियों के साथ साझेदारी की है। नागपुर में आईसीएआर के केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर) द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि बीटी कॉटन से प्रति एकड़ 3-4 क्विंटल उपज बढ़ सकती है।

मंगलवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि आईसीएआर-सीआईसीआर ने बीटी कॉटन को अपनाने से उपज में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। अध्ययन में अधिक उपज और कपास बॉलवर्म के खिलाफ कीटनाशक की कम लागत के कारण किसानों की आय में वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया।

आईसीएआर-सीआईसीआर ने 2012-13 और 2013-14 के दौरान महाराष्ट्र में बीटी कॉटन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन किया और मिट्टी की पारिस्थितिकी पर इसके प्रभावों का भी आकलन किया। निष्कर्षों से पता चला कि बॉलवर्म संक्रमण में भारी कमी आई है और कीटनाशकों के इस्तेमाल की संख्या आठ से घटकर चार हो गई है। अध्ययन में मिट्टी के पारिस्थितिक मापदंडों पर बीटी कपास की खेती का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पाया गया।

मंत्री के अनुसार, उचित कृषि विज्ञान के साथ वर्षा आधारित परिस्थितियों में बीटी कपास से वर्तमान शुद्ध लाभ ₹25,000 प्रति हेक्टेयर होने का अनुमान है। बीटी कपास को तेजी से अपनाने के साथ, कपास की खेती के 96% से अधिक क्षेत्र में अब बीटी कपास की खेती हो रही है।

एक वैज्ञानिक, एक उत्पाद' पहल

आईसीएआर की पहलों पर एक प्रश्न के उत्तर में, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान उत्पादकता बढ़ाने के लिए 'एक वैज्ञानिक, एक उत्पाद' दृष्टिकोण का उल्लेख किया। कृषि वैज्ञानिक विभिन्न शोध परियोजनाओं, उत्पादन प्रौद्योगिकियों, मॉडलों, अवधारणाओं, पद्धतियों और प्रकाशनों में शामिल हैं।

केंद्र की 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत, आईसीएआर का लक्ष्य 100 नई बीज किस्में और 100 कृषि तकनीकें विकसित करना है। पिछले एक दशक में, आईसीएआर ने 150 जैव-फोर्टिफाइड किस्में विकसित की हैं, जिनमें 132 खेत की फसलें और 18 बागवानी फसलें शामिल हैं।

आईसीएआर भागीदारी

चौधरी ने यह भी कहा कि आईसीएआर ने फसल किस्मों को बढ़ाने, प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित करने और क्षमता निर्माण के लिए निजी कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। ये समझौता ज्ञापन (एमओयू) बौद्धिक संपदा अधिकारों के मुद्दों या आईसीएआर के लिए वित्तीय लागतों को शामिल किए बिना प्रौद्योगिकी प्रसार पर ध्यान केंद्रित करते हैं। किसान संगठनों के साथ लगभग 176 समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी प्रसार को बढ़ाना है।

एपीएमसी और एमएसपी

कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) विनियमित बाजारों के बारे में, रामनाथ ठाकुर ने बताया कि भारत में 7,085 एपीएमसी-विनियमित बाजार हैं, जिनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 929 बाजार हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 633 बाजार हैं। सरकार सेवाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार करके एपीएमसी को मजबूत करने का समर्थन करती है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर, ठाकुर ने कहा कि सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 22 अनिवार्य कृषि फसलों के लिए एमएसपी तय करती है। सरकार ने 2023-24 के दौरान एमएसपी में ₹2.48 लाख करोड़ का भुगतान किया, जो 2022-23 में ₹2.37 लाख करोड़ से अधिक है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- **ब्राज़ील: जुलाई में कपास की कीमतें मार्च 2024 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुँची**

  जुलाई में, ब्राज़ील में कपास की कीमतों का मासिक औसत वास्तविक रूप से मार्च 2024 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुँच गया। यह ऊपर की ओर रुझान मुख्य रूप से हाजिर बाज़ार में सीमित आपूर्ति और अनुबंधों को पूरा करने पर केंद्रित कई विक्रेताओं द्वारा दृढ़ मूल्य निर्धारण के कारण था।

- **बांग्लादेश की स्थिति भारत के कपास निर्यात को प्रभावित करेगी**

  बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट से भारत के समग्र व्यापार पर बहुत ज़्यादा असर नहीं पड़ सकता है, लेकिन यह भारत के कपास क्षेत्र को काफ़ी हद तक प्रभावित करने वाला है।

- **लंबी बारिश के बाद कपास उत्पादकों को कम पैदावार का डर**

  नागपुर: विदर्भ के कपास उत्पादक लंबे समय से हो रही बारिश के कारण चिंतित हैं, जिससे उनकी प्राथमिक कृषि उपज की वृद्धि बाधित हुई है।

- **बांग्लादेश की बिगड़ती स्थिति को लेकर कपास कताई इकाइयाँ चिंतित हैं**

  पहले से ही सुस्त वैश्विक मांग से जूझ रहा भारतीय कपास कताई उद्योग अब बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अतिरिक्त अनिश्चितता का सामना कर रहा है, जो चीन के बाद सबसे बड़ा कपड़ा उद्योग है।

- **वस्त्र मंत्रालय ने कस्तूरी कॉटन भारत ब्रांड का उत्पादन करने के लिए जिनर्स को सशक्त बनाया**

  वस्त्र मंत्रालय का कस्तूरी कॉटन भारत कार्यक्रम भारतीय कपास की ट्रेसेबिलिटी, प्रमाणन और ब्रांडिंग में एक अग्रणी प्रयास है। कस्तूरी कॉटन भारत कार्यक्रम का विवरण और ट्रेसेबिलिटी के लिए ब्लॉक चेन तकनीक का कार्यान्वयन।

इस सप्ताह, रुई बाजार में गिरावट वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में गिरावट वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान राज्य में 25-50 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, महाराष्ट्र राज्य में 300-500 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखि गई, जबकि मध्यप्रदेश राज्य में स्थिरता रही।

साउथ झोन के कर्णाटक, ओड़िशा, तेलंगाना राज्य में 200-700 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आँध्रप्रदेश राज्य में स्थिरता देखीं गई।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 10.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	05.08.2024		10.08.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,700	5,725	-25
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,600	5,600	-25
UPPER RAJASTHAN	28	5,475	5,775	5,400	5,725	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,800	57,200	55,300	56,900	-300
MADHYA PRADESH	29	56,500	56,800	56,000	56,800	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,800	57,300	56,300	56,800	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,600	57,700	57,400	57,500	-200
KARNATAKA	29.5+	57,000	57,300	56,800	57,000	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,900	57,000	56,900	57,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,000	58,700	57,500	58,000	-700

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77775

NEWSLETTER

Saturday, 10 August 2024 | Volume - 110

NEWS | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Impacts of the current situation in Bangladesh on the Indian textile industry: reduced exports, supply chain disruptions, and changes in competition

GOLD :69850
SILVER : 80510
CRUDE OIL : 6441

Impacts of the current situation in Bangladesh on the Indian textile industry: reduced exports, supply chain disruptions, and changes in competition

Karnataka is set to take advantage of the unrest in Bangladesh's textile industry as the recent unrest in the neighbouring country has potential benefits for India's textile industry, according to Textiles Minister Shivanand Patil. Speaking at an event to mark National Handloom Day on Wednesday, Patil emphasised that the instability in Bangladesh could benefit India's textile industry and the state is preparing to take advantage of the situation.

The current situation in Bangladesh could impact the Indian textile industry in several ways. Bangladesh is a major importer of Indian cotton and textiles, so any kind of political, economic, or social instability is bound to impact the Indian industry. Here are some of the major impacts:

Supply chain disruptions:

Any kind of instability or riots in Bangladesh could impact the supply chain. This could lead to disruptions in Indian cotton and textile exports, which could be detrimental to the industry.

Decrease in exports:

If there is an economic slowdown or political instability in Bangladesh, the demand for Indian cotton and textiles may decline. This may lead to a decline in exports, which may be a matter of concern for the Indian cotton industry.

Impact on prices:

The situation in Bangladesh may cause fluctuations in the prices of cotton and textiles in the global market. This may cause the Indian cotton industry to face difficulties in adjusting its prices.

Change in competition:

If the textile industry there suffers losses due to the situation in Bangladesh,the Indian cotton industry may benefit from it. This may provide an opportunity for the Indian industry to enter new markets and strengthen its competitiveness.

Financial impact:

The Indian cotton industry may suffer financial losses due to disruption in trade relations with Bangladesh. This situation may be especially challenging for small and medium-sized businesses.

Strategic partnerships:

The situation in Bangladesh may cause the Indian cotton industry to look for new trading partners and markets. This may require the industry to change its business strategies.

As the crisis in Bangladesh deepens, the textile sector, which contributes significantly to the country's exports, is likely to suffer. International buyers are expected to turn their attention to alternative markets such as India.

Overall, the current situation in Bangladesh may have both positive and negative impacts on the Indian textile industry. The industry needs to be prepared to face these impacts and make necessary changes in its business strategies.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 10.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	02.08.24	09.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	68.25	68.34	0.09
MAR'25	69.87	69.68	-0.19
MAY	71.14	70.91	-0.23
MCX (COTTON)			
SEP	56530	56300	-230
NOV			
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1585	1570	-15.00
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2845	2889	44
SEPT	3012	3116	104
DEC	2832	2877	45
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.75	83.96	0.21
PAK (Pakistani Rupee)	278.769	278.648	-0.121
CNY (Chinese yuan)	7.16012	7.16600	0.00588
BRAZIL (Real)	5.72922	5.50620	-0.22302
AUSTRALIAN Dollar	1.53590	1.52135	-0.01455
MALAYSIAN RINGGITS	4.50245	4.42076	-0.08169
COTLOOK "A" INDEX	79.35	79.20	-0.15
BRAZIL COTTON INDEX	71.27	73.16	1.89
USDA SPOT RATE	59.82	60.52	0.70
MCX SPOT RATE	57020	56560	-460
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17400	17400	0
GOLD ($)	2486.10	2470.60	-15.5
SILVER ($)	28.685	27.535	-1.15
CRUDE ($)	74.14	76.98	2.84

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices rose by 0.09 cents in December, while they fell by 0.19 cents in March and 0.23 cents in May.

Cotton prices on the Indian market MCX fell by Rs 230 in the month of September.

Cotton prices on NCDEX fell by Rs 15 per 20 kg, while the price of cake increased by Rs 44 in August, Rs 104 in September and Rs 45 per quintal in December.

If we look at the cotton market of other countries, Cotlook "A" index saw a decline, USDA spot rate increased by 0.70 cents, MCX spot prices fell by Rs 460 per candy.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	05.08.24	06.08.24	07.08.24	08.08.24	09.08.24	10.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	100	100	100	-	100	100
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	100	100	100	-	100	100
GUJRAT	2,500	2,500	2,200	2,500	2,700	2,500
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000
CENTRAL ZONE	5,500	5,500	5,200	5,500	5,700	5,500
KARNATAKA	1,500	1,200	1,400	1,200	1,000	1,200
ANDHRA PRADESH	1,200	1,000	1,000	1,000	1,000	800
TELANGANA	200	200	200	200	200	200
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	2,400	2,600	2,400	2,200	2,200
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	8,500	8,000	7,900	7,900	8,000	7,800
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Bt Cotton Boosts Yield by 3-4 Quintals per Acre: Government Reports in Lok Sabha

Government Reports in the Lok Sabha Show That Bt Cotton Increases Yield by 3–4 Quintals per Acre.

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has partnered with private companies to develop crop varieties, transfer technologies, and build capacity. A recent study by ICAR's Central Institute for Cotton Research (CICR) in Nagpur found that Bt cotton can increase yield by 3-4 quintals per acre.

In a written reply in the Lok Sabha on Tuesday, Ramnath Thakur, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, reported that ICAR-CICR observed a significant yield increase with the adoption of Bt cotton. The study also highlighted increased income for farmers due to higher yields and reduced insecticide costs against the cotton bollworm.

ICAR-CICR conducted the study to evaluate the impact of Bt cotton in Maharashtra during 2012-13 and 2013-14 and also assessed its effects on soil ecology. The findings showed a drastic reduction in bollworm infestations and a decrease in the number of insecticide applications from eight to four. The study found no adverse effects of Bt cotton cultivation on soil ecological parameters.

According to the Minister, the current net return from Bt cotton is estimated at ₹25,000 per hectare in rainfed conditions with appropriate agronomy. With the rapid adoption of Bt cotton, over 96% of the cotton cultivation area is now under Bt cotton.

One Scientist, One Product' Initiative

Responding to a query on ICAR's initiatives, Bhagirath Choudhary, Union Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, mentioned the 'One Scientist, One Product' approach to enhance research productivity in agriculture, animal husbandry, fisheries, and allied sectors. Agricultural scientists are involved in various research projects, producing technologies, models, concepts, methodologies, and publications.

As part of the Centre's 100-day action plan, ICAR aims to develop 100 new seed varieties and 100 farm technologies. Over the past decade, ICAR has developed 150 bio-fortified varieties, including 132 field crops and 18 horticultural crops.

ICAR Partnerships

Choudhary also stated that ICAR has signed agreements with private companies to scale up crop varieties, transfer technologies, and build capacity. These memoranda of understanding (MoUs) focus on technology dissemination without involving intellectual property rights issues or financial costs for ICAR. About 176 MoUs with farmer organizations aim to enhance capacity building and technology dissemination.

APMC and MSP

Regarding Agricultural Produce Market Committee (APMC) regulated markets, Ramnath Thakur informed that there are 7,085 APMC-regulated markets in India, with Maharashtra having the most at 929, followed by Uttar Pradesh with 633. The government supports strengthening APMCs by improving services and infrastructure.

On the Minimum Support Price (MSP), Thakur stated that the government fixes MSPs for 22 mandated agricultural crops based on the Commission for Agricultural Costs and Prices (CACP) recommendations. The government paid ₹2.48 lakh crore in MSP during 2023-24, up from ₹2.37 lakh crore in 2022-23.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Brazil: Cotton prices in July hit highest since March 2024

In July, the monthly average of cotton prices in Brazil reached the highest level in real terms since March 2024. This upward trend was mainly due to limited supply in the spot market and firm pricing by many sellers focused on fulfilling contracts.

Bangladesh situation to impact India's cotton exports

The ongoing political crisis in Bangladesh may not have much impact on India's overall trade, but it is going to impact India's cotton sector to a great extent.

Cotton growers fear lower yields after prolonged rains

Nagpur: Cotton growers in Vidarbha are worried due to prolonged rains, which have hampered the growth of their primary agricultural crop.

Cotton spinning units worried over deteriorating situation in Bangladesh

The Indian cotton spinning industry, already grappling with sluggish global demand, is now facing additional uncertainty due to political turmoil in Bangladesh, the largest textile industry after China.

Textiles Ministry empowers ginners to produce Kasturi Cotton Bharat brand

The Kasturi Cotton Bharat programme of the Ministry of Textiles is a pioneering effort in traceability, certification and branding of Indian cotton. Details of Kasturi Cotton Bharat programme and implementation of block chain technology for traceability.

This week, the cotton market witnessed a decline environment.

This week, the cotton market witnessed a decline.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a decline of Rs 25-50 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Maharashtra witnessed a decline of Rs 300-500 per candy, while Madhya Pradesh remained stable.

South Zone states of Karnataka, Odisha, Telangana witnessed a decline of Rs 200-700 per candy, while Andhra Pradesh remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 10.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	05.08.2024		10.08.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,700	5,725	-25
HARYANA	27.5/28	5,625	5,625	5,600	5,600	-25
UPPER RAJASTHAN	28	5,475	5,775	5,400	5,725	-50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,800	57,200	55,300	56,900	-300
MADHYA PRADESH	29	56,500	56,800	56,000	56,800	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,800	57,300	56,300	56,800	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,600	57,700	57,400	57,500	-200
KARNATAKA	29.5+	57,000	57,300	56,800	57,000	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,900	57,000	56,900	57,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,000	58,700	57,500	58,000	-700

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77775